Important Question Class 7 Hindi Chapter 32 भीष्म शर-शय्या पर

प्रश्न 1. दसवें दिन का युद्ध शुरू होते ही पांडवों ने शिखंडी को आगे क्यों कर दिया?

उत्तर: शिखंडी के बारे में आपने पहले पढ़ा है कि अंबा ने तप करके भीष्म से बदला लेने के लिए शिखंडी का रूप धारण किया था। भीष्म औरतों पर बाण नहीं चला सकते थे अतः पांडवों ने शिखंडी को आगे कर दिया। इस कारण भीष्म ने धनुष बाण नीचे रख दिये। मौका पाकर अर्जुन ने भीष्म के शरीर को बाणों से छलनी कर दिया।

प्रश्न 2. अर्जुन ने भीष्म की प्यास को कैसे बुझाया ?

उत्तर: भीष्म के कहने पर अर्जुन ने धनुष तानकर भीष्म की दाहिनी बगल में पृथ्वी पर बड़े जोर से मारा। बाण पृथ्वी में घुसकर सीधा पाताल में जा लगा। उसी क्षण वहाँ से जल का स्रोत फूट निकला। पितामह भीष्म ने अमृत के समान मधुर व शीतल जल से अपनी प्यास बुझाई।

प्रश्न 3. कर्ण जब भीष्म के पास गए तो भीष्म ने कर्ण से क्या कहा ?

उत्तर: भीष्म ने कर्ण से कहा-"बेटा तुम राधा के पुत्र नहीं, कुंती के पुत्र हो। मैंने तुमसे कभी द्वेष नहीं किया। अकारण ही तुमने पांडवों से बैर रखा। तुम पांडवों में ज्येष्ठ हो। तुम उनसे मित्रता कर लो। मेरी इच्छा है कि युद्ध में मेरे सेनापतित्व के साथ ही पांडवों के प्रति तुम्हारे बैर-भाव का आज ही अंत हो जाए।

प्रश्न 4. कर्ण ने भीष्म के इस कथन का कि तुम पांडवों से मित्रता कर लो, क्या उत्तर दिया ?

उत्तर: कर्ण ने कहा-"पितामह मैं जानता हूँ कि मैं कुंती पुत्र हूँ, लेकिन यह मुझसे नहीं होगा कि मैं ऐसे समय में दुर्योधन का साथ छोड़ दूं और उनके शत्रुओं से जा मिलूँ। मैं दुर्योधन के पक्ष में ही रहकर युद्ध करना चाहता हूँ।"

प्रश्न 5. दुर्योधन, कर्ण और दुःशासन युधिष्ठिर को जीवित क्यों पकड़ना चाहते थे ?

उत्तर: दुर्योधन का मानना था कि युधिष्ठिर को जीवित पकड़ लिया जाए तो युद्ध शीघ्र ही बंद हो सकता है और कौरवों की जीत हो जाएगी। थोड़ा राज्य युधिष्ठिर को देकर बाद में उसके साथ जुआ खेलकर उससे राज्य सहज ही छीन लेंगे।

प्रश्न 6. युधिष्ठिर के पकड़े जाने का शोर होने पर अर्जुन ने युधिष्ठिर को किस प्रकार छुड़ाया ?

उत्तर: युधिष्ठिर के पकड़े जाने का शोर होने पर अचानक अर्जुन आ गया। उसने बाणों की ऐसी वर्षा की कि आकाश बाणों से भर गया और मैदान में अंधकार-सा छा गया। अर्जुन के हमले के कारण द्रोणाचार्य को पीछे हटना पड़ा और युधिष्ठिर को जीवित पकड़ने का उनका प्रयत्न विफल हो गया।